गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 172
दि. 21.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आईएनएस विक्रांत पर दिवाली मनाई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज आईएनएस विक्रांत पर दिवाली समारोह के दौरान सशस्त्र बलों के जवानों को संबोधित किया। आज के दिन को एक अद्भुत दिन, एक अद्भुत क्षण और एक अद्भुत दृश्य बताते हुए, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक ओर विशाल महासागर है, तो दूसरी ओर है, भारत माता के वीर सैनिकों की अपार शक्ति। उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर अनंत क्षितिज और असीम आकाश है, वहीं दूसरी ओर आईएनएस विक्रांत की असीम शक्ति है, जो अनंत शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्र पर सूर्य की रोशनी की चमक, दीपावली के दौरान वीर सैनिकों द्वारा जलाए गए दीपों की तरह है, जो दीपों की एक दिव्य माला बनाती है। उन्होंने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मैं भारतीय नौसेना के वीर जवानों के बीच यह दिवाली मना रहा हूँ।

आईएनएस विक्रांत पर बिताई अपनी रात को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अनुभव को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि समुद्र में गहरी रात और सूर्योदय ने इस दिवाली को कई मायनों में यादगार बना दिया। आईएनएस विक्रांत से, प्रधानमंत्री ने देश के सभी 140 करोड़ नागरिकों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

आईएनएस विक्रांत को राष्ट्र को सौंपे जाने के क्षण को याद करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि उस समय उन्होंने कहा था—विक्रांत भव्य, विशाल, विहंगम, अद्वितीय और असाधारण है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 21वीं सदी के भारत की कड़ी मेहनत, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।" उन्होंने याद दिलाया कि जिस दिन राष्ट्र को स्वदेश निर्मित आईएनएस विक्रांत प्राप्त हुआ, उसी दिन भारतीय नौसेना ने औपनिवेशिक विरासत के एक प्रमुख प्रतीक का त्याग कर दिया था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित होकर, नौसेना ने एक नया ध्वज अपनाया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आईएनएस विक्रांत आज आत्मनिर्भर भारत और मेड इन इंडिया का एक सशक्त प्रतीक है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित आईएनएस विक्रांत, समुद्र को चीरता हुआ, भारत की सैन्य शक्ति को दशार्ता है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले ही, विक्रांत के नाम ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी थी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आईएनएस विक्रांत एक ऐसा युद्धपोत है, जिसका नाम ही दुश्मन के उत्पन्न किया गया भय, भारतीय वायु सेना द्वारा प्रदर्शित असाधारण कौशल, भारतीय थल सेना की वीरता और तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को शीघ्र आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल सभी सैन्यकर्मी बधाई के पात्र हैं।

श्री मोदी ने कहा कि जब दुश्मन सामने हो और युद्ध आसन्न हो, तो जिस पक्ष के पास स्वतंत्र रूप से लड़ने की ताकत होती है, उसे हमेशा फायदा होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। प्रधानमंत्री ने गर्व व्यक्त किया कि पिछले एक दशक में भारत की सेनाएँ आत्मनिर्भरता की ओर लगातार आगे बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने हजारों ऐसी वस्तुओं की पहचान की है जिनका अब आयात नहीं किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप अब अधिकांश आवश्यक सैन्य उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 11 वर्षों में भारत का रक्षा उत्पादन तीन गुना से भी ज्यादा बढ़कर पिछले साल 1.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। एक और उदाहरण देते हुए, श्री मोदी ने राष्ट्र को बताया कि 2014 से अब तक भारतीय शिपयार्ड ने नौसेना को 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियाँ प्रदान की हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में औसतन हर 40 दिनों में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी नौसेना में शामिल हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस और आकाश जैसी मिसाइलों ने अपनी क्षमता साबित की है। दुनिया भर के कई देशों ने अब इन मिसाइलों को खरीदने की रुचि व्यक्त की है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत तीनों सेनाओं के लिए हथियारों और उपकरणों के निर्यात की क्षमता का निर्माण कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, "भारत का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होना है।"

सादगी और स्वदेशी भाव से जगमगाई दीपावली: सीएम भूपेन्द्र पटेल ने पोते संग बाजार में की खरीदारी

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में खरीदारी करके दिवाली मनाई, स्थानीय विक्रेताओं के साथ जुड़े और भारतीय परंपराओं और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया।

(जीएनएस)।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने दीपावली के अवसर पर सोमवार को गांधीनगर के स्थानीय बाजार में अपने पोते के साथ पारिवारिक रूप से खरीदारी की।

मुख्यमंत्री का यह सादा और आत्मीय रूप जनता के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। मख्यमंत्री पटेल ने बिना किसी औपचारिकता के बिल्कुल एक आम नागरिक की तरह बाजार पहुंचकर उत्साहपूर्वक दीपावली की आवश्यक वस्तुएं खरीदीं। उन्होंने स्थानीय विक्रेताओं से मिट्टी के दीये, सजावटी सामग्री, मिठाइयाँ और

पारंपरिक उपहार खरीदते हुए लोगों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली भारतीय परंपरा और स्वदेशी भावना का सबसे बड़ा पर्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री के ह्वोकल फॉर लोकलह्व और आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को आगे बढ़ाते हुए देश में निर्मित वस्तुएं अपनाने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री ने बाजार के फेरीवालों और छोटे व्यापारियों से भी बातचीत की, उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनके व्यवसाय के प्रति प्रोत्साहन व्यक्त किया।

उनकी विनम्रता और सादगी देखकर स्थानीय नागरिकों में अत्यंत प्रसन्नता का वातावरण रहा। स्थानीय लोगों का कहना था कि मुख्यमंत्री का यह आत्मीय व्यवहार उन्हें जनता के और करीब लाता है। लोग कहते नजर आए—"सीएम यानी कॉमन मैन"—जिसे श्री भूपेन्द्र पटेल ने एक बार फिर अपने व्यवहार और सादगी से साकार कर दिखाया।

प्रधानमंत्री ने दीपावली के अवसर पर सभी को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिवाली के अवसर पर शुभकामनाएँ दी हैं। श्री मोदी ने कहा, "दिवाली के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रकाश का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, सुख और समृद्धि से आलोकित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।"

प्रधानमंत्री ने पर पोस्ट किया:

"दिवाली के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रकाश का यह त्योहार हमारे जीवन को सद्भाव, सुख और समृद्धि से आलोकित करे। हमारे चारों ओर सकारात्मकता की भावना व्याप्त रहे।"

"सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रकाश का यह पावन पर्व हर किसी के जीवन को सुख-समृद्धि और सौहार्द से आलोकित करे, यही कामना है।"

सीएम योगी ने रामलला के दरबार में जलाया दीप, सरयू की महाआरती में हुए शामिल

(जीएनएस)।

अयोध्या। अयोध्या में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पर नगर में त्रेतायुग की तरह ही प्रभु श्रीराम का स्वागत सत्कार किया गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका राजतिलक किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अब अयोध्या विकास और विरासत का प्रतीक बन चुकी है। जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप जल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर रामलला के दरबार में दीप प्रज्वलित किया और फिर सरयू की महाआरती में शामिल हुए। राम दरबार में दीप प्रज्वलन होने के बाद ही राम की नगरी 29 लाख दीयों से दमक उठी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी अयोध्या आ रहे हैं। भारत के अलग-अलग कोनों से लोग रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। आज अयोध्या में विकास हो रहा है।

ये वही उत्तर प्रदेश है जहां गरीबों के घर में शौचालय बन रहा है। लोगों को कोरोना काल से ही राशन का वितरण किया जा रहा है और अगर बीमार हो जाएं तो पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवर आयुष्मान योजना के रूप में दिया जा रहा है। प्रदेश में अब रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। अब तैहिक, दैविक और भौतिक किसी भी तरह का दुख लोगों को नहीं हैं।

आज प्रदेश में कानून का राज है। पहले त्योहारों के समय दंगे होते थे। पहले लोग सोच नहीं सकते थे कि प्रदेश में शांति हो भी सकती है। आठ साल के बाद यूपी माफियाराज-गुंडाराज से मुक्त हो चुका है। अब प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। अब अपराधी भयभीत हैं। किसान खुशहाल हैं। युवाओं के लिए अवसर हैं। महिलाएं सुरक्षित हैं। हर हृदय में उत्साह और उमंग है और जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप प्रज्वलित हो रहे हैं।

सपा-कांग्रेस पर हमलाकर, बोले- उन्होंने गोली चलवाई और हम दिये जला रहे हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया। हम नहीं भूल सकते हैं कि कांग्रेस ने कहा था कि राम तो हैं ही नहीं। राम तो मिथक हैं। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान समाजवादी पार्टी के लोगों ने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उन्होंने गोली चलवाई थी हम दीप जला रहे हैं। उन्होंने ताले लगवाए थे हम आस्था को आजाद कर रहे हैं। आज अयोध्या विकास और विरासत का अद्भुत संगम बन रही है। ये लोग विदेशी आक्रांताओं की कब्र पर तो आते हैं लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर निमंत्रण देने पर भी नहीं आए।

सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया गया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का ये दीपोत्सव 500 साल तक आस्था के संघर्ष की विजय का प्रतीक है। देश की आजादी के बाद हर भारतवासी के मन में था कि अब देश को सांस्कृतिक आजादी भी मिले लेकिन कुछ लोगों ने सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया पर आज भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। सनातनियों ने 500 साल तक अपने देवस्थान के लिए संघर्ष किया।

04:30 अट, 19-डू३-2025

सीएम योगी ने सभी सनातनियों को दी दीपोत्सव की बधाई

रामकथा पार्क में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन का प्रारंभ जय श्रीराम और सरयू मैया की जय के नारों से किया। उन्होंने दीपोत्सव 2025 की सभी सनातन धर्म मानने वालों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक ऐसी नगरी है जहां धर्म मानव स्वरूप में उत्पन्न हुआ है। हमने 2017 में दीपोत्सव का शुभारंभ किया और सभी के सहयोग से दीपोत्सव की परंपरा प्रारंभ हुई। 2017 में एक लाख 71 हजार दीप जलाए गए थे और अब लाखों लाख दीप अयोध्या में प्रज्वलित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामकथा पार्क के मंच पर श्रीराम का राजतिलक किया।

तेजस्वी यादव राघोपुर से चुनावी मैदान में, चिराग पासवान बोले- महागठबंधन पर संकट के बादल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने 143 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम पार्टी के राष्ट्रीय नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का है, जो वैशाली जिले की राघोपुर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे।

यह सीट RJD के लिए हमेशा से ही रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। RJD के इस बड़े ऐलान के बाद बिहार की राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

महागठबंधन के अन्य घटक दलों और विपक्षी पार्टियों की नजरें अब RJD की चुनावी रणनीति पर टिक गई हैं। तेजस्वी यादव का राघोपुर से चुनाव लड़ना इस बार गठबंधन की साख के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चिराग पासवान ने साधा निशाना

वहीं, केंद्रीय मंत्री और LJP प्रमुख चिराग पासवान ने महागठबंधन पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा कि इतना बड़ा गठबंधन संकट की कगार पर हो। अगर महागठबंधन के लोग यह भ्रम पालते हैं कि एक ही सीट से कई उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं, तो उन्हें समझना चाहिए कि 'दोस्ती की लड़ाई' जैसी कोई चीज नहीं होती।"

चिराग पासवान ने आगे कहा कि महागठबंधन की रणनीतियों के कारण कई ऐसी सीटें हैं, जो पहले चुनौतीपूर्ण मानी जा रही थीं, अब उन्हें आसान जीत की तरफ ले जा रही हैं। उनका कहना है कि कई जगहों पर गठबंधन की अंदरूनी खामियों ने विपक्ष को फायदा पहुंचाया है।

महागठबंधन में मतभेद

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि RJD की 143 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा और तेजस्वी यादव का राघोपुर से चुनाव लड़ना बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा करेगा। हालांकि, विपक्ष के अंदरूनी मतभेद और गठबंधन की कमजोरियां चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं।

RJD की यह तैयारी पार्टी की ताकत और रणनीति को दिखाती है। अब देखना यह होगा कि तेजस्वी यादव की राघोपुर से लड़ाई और 143 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा महागठबंधन को किस हद तक सफलता दिला पाती है।

बिहार विधानसभा चुनाव से जेएमएम ने अचानक लिया यूटर्न, क्या झारखंड गठबंधन में होने वाला है खेला!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के आखिरी नामांकन दिवस पर राजनीति में अचानक भूचाल आया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) ने चौंकाने वाला कदम उठाते हुए चुनावी मैदान से अपना नाम वापस ले लिया। पार्टी ने महागठबंधन पर गंभीर आरोप लगाए और साफ किया कि अब वह न तो गठबंधन का हिस्सा रहेगी और न ही किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ चुनावी सहयोग करेगी। यह फैसला न केवल चुनावी रणनीति को चुनौती देता है, बल्कि बिहार की सियासी तस्वीर को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है।

JMM का कहना है कि गठबंधन के भीतर उनके साथ राजनीतिक चालबाजियां की गईं और पार्टी की मांगों और हिस्सेदारी को नजरअंदाज किया गया। पार्टी ने स्पष्ट किया कि अगर महागठबंधन ने उनके सम्मान और हिस्सेदारी का सही ध्यान रखा होता, तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

JMM के नेताओं का कहना है, "हम महागठबंधन के साथ नहीं हैं, और अब बिहार में किसी भी दल की मदद नहीं करेंगे। अगर हमें सही सम्मान और भागीदारी दी जाती, तो स्थिति पूरी तरह अलग होती।" इस बयान ने बिहार की सियासी बिसात को अचानक उलझा दिया है।

चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है भारी असर

JMM का यह कदम महागठबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पार्टी के पीछे हटने से कई विधानसभा क्षेत्रों में महागठबंधन की स्थिति कमजोर हो सकती है और विपक्षी दलों के लिए नई रणनीतियों की जरूरत पैदा हो जाएगी। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस फैसले से बिहार चुनाव में सीट साझा योजना, गठबंधन समीकरण और उम्मीदवार चयन पर गंभीर असर पड़ेगा।

नामांकन की अंतिम समय सीमा और अचानक बदलाव की राजनीति

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा आज दोपहर 3 बजे समाप्त हुई। JMM के अचानक पीछे हटने ने चुनाव प्रक्रिया के अंतिम चरण में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी। विशेषज्ञों का कहना है कि महागठबंधन को अब अपनी रणनीति और सीट साझा योजना में तुरंत बदलाव करना पड़ेगा। इसके कारण चुनावी नतीजों पर सीधा असर पड़ सकता है और विपक्ष के लिए नई चुनौती पैदा हो सकती है।

बिहार की सियासत में नया मोड़

JMM का अचानक फैसला बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के समीकरण बदल सकता है। यह न केवल महागठबंधन की स्थिति को प्रभावित करेगा बल्कि नए गठबंधन और राजनीतिक रणनीतियों की संभावना भी बढ़ा देगा।

सम्पादकीय

मंत्री बनी एआई रोबोट महिला डिएला

28 लाख की आबादी वाले देश अल्बानिया की अल्बानियाई भाषा में 'डिएला' का अर्थ 'सूरज' होता है। डिएला को अल्बानिया की पारंपरिक वेशभूषा में सौम्य, सुंदर और सुशील स्त्री को रोबोट के रूप में विकसित किया गया है।

मंत्री बनी एआई रोबोट महिला डिएला, नेताओं पर गहराया विस्थापन का संकट विडंबना देखिए, मनुष्य द्वारा निर्मित वाहनों ने मनुष्य के पैरों से चलने की ताकत छीन ली।

मशीनी तकनीक मनुष्य के हाथों के हुनर छीनती जा रही है और अब हैरान करने वाली वास्तविकता यहां तक पहुंच गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात वृत्रिम बुद्धि से निर्मित डिएला नामक रोबोट स्त्री को यानी मानव के विरुद्ध एक प्रति मानव के रूप में अस्तित्व में लाया गया रोबोट का यह दखल राजनीति से नेता के विस्थापन के रूप में देखने में आया है। सत्ता पक्ष डिएला की नियुक्ति से भ्रष्टाचार मुक्त शासन की कल्पना कर रहा है, जबकि विपक्ष इस रोबोट-स्त्री की तैनाती को असंवैधानिक करार दे रहा है।

एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन सोसायटी ने माक्षोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है।

डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया है। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वक्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुक्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई है। मैं शासन-प्रशासन को पारदशा बनाने और जनता की मदद के लिए हूं। विपक्ष आशंकित न हो, मेरा लक्ष्य जैविक मनुष्य को प्रतिस्थापित (रिप्लेस) करने का नहीं है। मैं किसी की जगह लेने के लिए नहीं आई हूं। 'डिएला ने जो कहा वह अजैविक मानव के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि मनुष्य के विरुद्ध एक प्रति मनुष्य के रूप में अपनी जगह बनाता रोबोट जैविक मनुष्य को सीमेंट, वीट और यंत्रों के जंगल में धकेलता जा रहा है। प्रति मानव रोबोट में बुद्धि डालकर उसे हम मनुष्य का शासक बनाने में लगे हुए हैं। अभी तक रोबोट को नए-नए रूपों में विकसित करने का काम वैज्ञानिक रूपी मनुष्य करता था, लेकिन प्रौद्योगिकी के आकाश में वृत्रिम बुद्धि ने ऐसे पंख दे दिए हैं कि रोबोट अब वृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से स्वयं अद्यतन (अपडेट) होने लगे हैं और जो जीवित रोबोट अस्तित्व में आए हैं, वे स्वयं रोबोट पैदा करने लगे हैं। रोबोट के स्वमेव परिवर्तन और नए रोबोट पैदा करने की इस ताकत के परिणाम फलदायी होंगे या घातक यह अभी भविष्य के गर्भ में जरूर है, किंतु चिंतनीय बिंदु अवश्य है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने जीवित रोबोट 'जेनोबोट्स' अवतरित कर दिया है। इसके आविश्कारक वैज्ञानिकों का दावा है कि यह रोबोट अपने जैसे रोबोट संतान के रूप में पैदा कर सकता है। यह करिश्मा वर्मोट, हावर्ड और टफ्ट्स विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। यह रोबोट अफ्रीका में पाए जाने वाले जेनोपस लेविस प्रजाति के मेढ़क के भ्रूण की स्तंभ कोशिकाओं से बनाया है।

वैज्ञानिकों ने मेंढक के भ्रूण की (एंब्रियो) की जीवित कोशिकाओं को अन्य नए जीवन रूपों के तौर पर प्रयोग करने में सफलता पाई है।

इसे जीवित गिया-कलाप करने लायक जीव के तौर पर देखा जा रहा है। एक मिमि से भी कम चौड़े इन रोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने सार्वजनिक किया गया था। ये जीते-जागते रोबोट्स हैं। भ्रूण से विकसित इन रोबोट के दिल को मोटर की तरह उपयोग में लाया जाता है।

हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं, भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक याद बन चुके असरानी

(जीएनएस)।

हिंदी सिनेमा में हास्य को सिर्फ. हल्के मनोरंजन के रूप में देखा जाता था-पर कुछ कलाकार ऐसे आए जिन्होंने इसे कला का दर्जा दिया। गोवर्धन असरानी उन्हीं में से एक थे। 84 वर्ष की उम्र में उनका जाना केवल एक कलाकार की मृत्यु नहीं, बल्कि उस संवेदनशील हास्य परंपरा का मौन हो जाना है जिसने पीढ़ियों को सादगी से हँसना सिखाया।

जयपुर में जन्मे, सेंट जेवियर्स स्कूल से पढ़े, और पुणे के फिल्म इंस्टिट्यूट से निकले असरानी ने सितारों से भरे बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई-बिना किसी 'हीरो' या 'विलेन' की छवि के। वह चेहरे से साधारण थे, लेकिन अभिनय से असाधारण। उनकी मुस्कान में चमक थी और संवादों में मासूमियत। यही कारण था कि दर्शक उन्हें अपने घर जैसा अपनापन देते थे।

कॉमेडी को चरित्र में बदलने वाला अभिनेता

असरानी सिर्फ. 'कॉमेडियन' नहीं थे, बल्कि किरदारों के जरिए सामाजिक व्यवस्था, व्यंग्य और मानवीय कमजोरी को बेहद सहज ढंग से पेश करते थे। उनकी भूमिकाएँ कभी जबरदस्ती हास्य नहीं करती थीं, बल्कि परिस्थितियों से हँसी पैदा होती थी। यही असली कॉमेडी है-और असरानी इसके उस्ताद थे। उनकी टाइमिंग, संवाद अदायगी, चेहरे की मिमिक्री, और शरीर की भाषा-हर चीज सटीक। वह मजाक नहीं करते थे, बल्कि मजाक को जीते थे।

"शोले" का जेलरः जब साइड कैरेक्टर ने मुख्य दृश्य चुरा लिया

भारतीय सिनेमा में बहुत कम उदाहरण मिलेंगे जब एक छोटे से रोल ने पूरी फिल्म की यादों पर कब्जा कर लिया हो। "शोले" में उनका जेलर ऐसा ही किरदार था। वह नायक नहीं, खलनायक नहीं-वह एक प्रतीक था। एक ऐसी व्यवस्था का चेहरा, जो खुद को गंभीर समझती है पर भीतर से खोखली है।

"हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं", यह सिर्फ. हास्य संवाद नहीं, यह इतिहास और वर्तमान पर व्यंग्य था। असरानी ने इसे जिस लहजे में कहा, जिस अदाकारी से निभाया-वह संवाद अमर हो गया। रमेश सिप्पी ने खुद कहा था कि असरानी हर सीन को अपना बनाकर लाते थे। मूंछों पर हाथ फेरना, आंखों को तिरछा करना, अंग्रेजी अंदाज में हिंदी बोलना-यह सब उनकी कल्पना थी। यही अंदाज सिनेमा को महान बनाता है।

हास्य में छिपा यथार्थ

असरानी के किरदार अक्सर हँसाते थे, लेकिन उनके पीछे एक गहरी सच्चाई होती थी। चाहे वह बेबस कर्मचारी हो, डरपोक अफसर, चालाक नौकर, या उलझा हुआ आम आदमी-हर भूमिका में वह समाज की परतें खोलते थे।

उनकी कॉमेडी 'ओवरएक्टिंग' नहीं, 'ऑब्जर्वेशन' थी। वह ज़िंदगी को देखते थे, फिर उसे अभिनय में ढालते थे।

हर घर का चेहरा, हर दिल की धड़कन

सत्तर और अस्सी के दशक का हिंदी सिनेमा असरानी के बिना अधूरा है। राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र जैसे बड़े सितारों के बीच भी उन्होंने अपने लिए वह जगह बनाई जहां से उन्हें कभी हटाया नहीं जा सका। उनकी मौजूदगी मात्र से दर्शक आश्वस्त हो जाते थे-अब स्क्रीन पर कुछ सच्चा और मजेदार होगा।

आज उनका जाना क्यों गहरा खालीपन है?

क्योंकि अब फिल्मों में वह मासूमियत नहीं। अब हँसी 'लाउड' हो गई है, 'नैचुरल' नहीं। असरानी हमें याद दिलाते हैं कि कॉमेडी सिर्फ.जोक बोलना नहीं होता-यह भावनाओं की सबसे कठिन कला है। एक कलाकार जब दर्शक को बिना अपमानित किए हँसा सके, तब वह वास्तव में महान होता है। असरानी ऐसे ही महान थे।

अंतिम स्मरणः हँसी भी विरासत होती है

आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, "शोले" का वह दृश्य फिर से आंखों में घूमता है। उनकी आवाज गूंजती है।

"हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं..." और हम मुस्कुरा उठते हैं। यही मुस्कुराहट उनकी सबसे बड़ी जीत है। यही उनका स्मारक है। उन्होंने हमें सिखाया-हँसी भी कला है, और कलाकार अमर होते हैं। श्रद्धांजलि उस कलाकार को, जिसने हर दौर में हँसाया, और हर दिल में हमेशा के लिए घर बना लिया।

अपराध और राजनीति का कॉम्बिनेशन! पीएचडी होल्डर हैबाहुबली, बेटा उतर रहा अब चुनाव मैदान में

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में अपराध और राजनीति का मिलाजुला स्वरूप कोई नई बात नहीं है। लेकिन भोजपुर के नेता सुनील पांडे ने इसे एक अलग ही आयाम दिया। चार बार विधायक रहे पांडे को सिर्फ उनके राजनीतिक सफर के लिए नहीं बल्कि उनके विवादास्पद कृत्यों और अपराध की दुनिया से जुड़े होने के लिए भी जाना गया। एक समय जब वे पुलिस से छिपकर अपना जीवन जी रहे थे, उसी दौरान उन्होंने राजनीति में अपनी जगह बनाई।

डॉ. पांडे न सिर्फ एक मजबूत नेता थे बल्कि पढ़ाई में भी पीछे नहीं थे। उन्होंने एमए और पीएचडी की डिग्री हासिल की, साथ ही कानून की पढ़ाई भी की। उनकी जिंदगी में अपराध, सत्ता और राजनीति का ऐसा संगम देखने को मिला, जो बिहार के राजनीतिक इतिहास में शायद ही किसी और ने किया हो। अब जब सुनील पांडे राजनीति से संन्यास ले चुके हैं, उनके बेटे विशाल प्रशांत ने उनके राजनीतिक नक्शे को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाली है।

सुनील पांडे का प्रारंभिक जीवन और पढ़ाई

सुनील पांडे का जन्म रोहतास जिले में नरेंद्र पांडे के नाम से हुआ। उनके पिता, कामेश्वर पांडे, ठेकेदारी करते थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ थी। पांडे ने रोहतास से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर इंजीनियरिंग के लिए बेंगलुरु गए। बीच में पढ़ाई छोड़कर वे घर लौट आए और बाद में पढ़ाई फिर से शुरू की। इसके बाद उन्होंने अररा की स्थानीय यूनिवर्सिटी से एमए और फिर पीएचडी पूरी की। उन्होंने कानून की पढ़ाई भी की थी।

तीन बार विधायक रहे सुनील पांडे

पांडे की पहचान पहली बार तब हुई जब उन्हें अपने रूममेट शिलु मियां की हत्या के आरोप में पकड़ा गया। इस चर्चा का फायदा उठाकर उन्होंने राजनीतिक दुनिया में कदम रखा।

2000 तक वे पुलिस से छिपकर रहते थे। फिर समता पार्टी ने उन्हें पिरो विधानसभा से उम्मीदवार बनाया और वे जीत गए।

2005 में उन्होंने जेडीयू से फिर से पिरो से चुनाव जीता। पिरो विधानसभा 2008 में खत्म हो गई और नई सीट तारारी बनी। 2010 में उन्होंने तारारी सीट से तीसरी बार जीत दर्ज की। 2015 में उन्होंने अपनी पत्नी गीता पांडे को एलजेपी से उम्मीदवार बनाया,

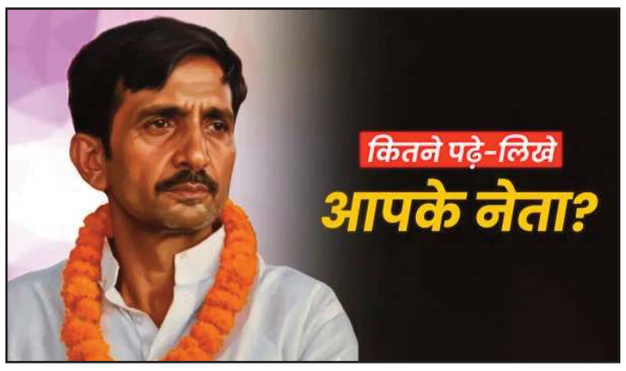

लेकिन वह हार गई।

पांडे ने अपने राजनीतिक करियर में सात बार पार्टी बदली, जिसमें जेडीयू, समता पार्टी और एलजेपी शामिल हैं।

अपराध की दुनिया से रहा है सुनील पांडे का नाता

पांडे का जीवन ज्यादातर जेल में या पुलिस से छिपकर बीता। उन पर हत्या, अपहरण और जबरन वसूली जैसे कई मामलों के आरोप लगे। वे मुख़्तार अंसारी की हत्या का 'सुपारी' देने के आरोप में भी चर्चा में रहे। पांडे का नाम रणवीर सेना से भी जुड़ा।

वे सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया के करीब माने जाते थे, लेकिन 1997 में उनके एक रिश्तेदार की हत्या के बाद दोनों आमने-सामने आ गए। 2012 में मुखिया की हत्या हुई, पांडे इस मामले में भी चर्चा में आए, लेकिन सबूतों की कमी के कारण उन्हें बरी कर दिया गया। अररा सिविल कोर्ट बम ब्लास्ट और पत्रकार को होटल में धमकी देने जैसे मामले भी उनके नाम जुड़े।

अब सुनील पांडे राजनीति से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपने बेटे विशाल प्रशांत को तारारी सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ाने का मौका दिया।

2024 के उपचुनाव में विशाल प्रशांत ने यह सीट जीत ली और अब 2025 विधानसभा चुनाव में दूसरी बार जीत के लिए तैयार हैं। सुनील पांडे का राजनीतिक सफर विवादों और जीत की मिसाल रहा, और अब उनका उत्तराधिकारी उनके राजनीतिक नक्शे को आगे बढ़ा रहा है।

'तान्या मित्तल बाहर मिनी स्कर्ट पहनकर', क्रिकेटर की बहन ने तान्या के कपड़ों की खोली पोल, कहा- शर्म आ जाएगी

(जीएनएस)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' इस वक्त चर्चा का विषय बना हुआ है। शो में हर दिन नए ट्विस्ट और ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में हुए वीकेंड का वार में सलमान खान ने अमाल मलिक, मालती चाहर और शहबाज बदेशा की जमकर क्लास लगाई थी।

मालती चाहर-तान्या मित्तल के बीच हुई बहस

अब शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें मालती चाहर एक बार फिर तान्या मित्तल पर निशाना साधती नजर आ रही हैं। नए प्रोमो में मालती चाहर घरवालों के सामने तान्या मित्तल की पर्सनल लाइफ से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे करती नजर आई हैं।

मालती चाहर ने खोली तान्या मित्तल के कपड़ों की पोल

-मालती चाहर ने कहा कि तान्या मित्तल बिग बॉस के घर में खुद को संस्कारी दिखाने की कोशिश कर रही हैं, जबकि बाहर उनकी लाइफस्टाइल

कुछ और ही है। मालती चाहर ने कहा- तान्या सिर्फ बिग बॉस के घर में साड़ी पहनती हैं, बाहर तो वो मिनी स्कर्ट और वेस्टर्न ड्रेस में रील्स बनाती हैं।

-आपको बता दें कि तान्या मित्तल बिग बॉस के घर में अपनी साड़ियों के कलेक्शन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हर एपिसोड में उनका नया ट्रेडिशनल लुक देखने को मिलता है और वो कई बार कह चुकी हैं कि साड़ी पहनना उनकी पहचान है। मगर अब मालती चाहर के इन बयानों ने उनकी इस इमेज पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मालती चाहर के नए आरोपों से बढ़ा विवाद

-मालती चाहर ने आगे कहा- तान्या मित्तल इंस्टाग्राम पर साड़ी में वीडियो बनाती हैं, लेकिन कुछ वीडियोज में उन्होंने मिनी स्कर्ट और पेटीकोट पहनकर रील शूट की है, जिसे देखकर शर्म आ जाएगी।

-इसके साथ ही मालती ने ये भी दावा किया कि तान्या मित्तल बाहर एडल्ट टॉय बिजनेस से जुड़ी हुई हैं। मालती की ये बात सुनकर घर के बाकी सदस्य भी दंग रह गए। आने वाले एपिसोड में मालती और तान्या के बीच जोरदार बहस और टकराव देखने को मिल सकता है।

दिवाली पार्टी में छाया मस्ती का रंग

तनाव भरे माहौल के बीच 'बिग बॉस 19' के घर में दिवाली पार्टी का आयोजन भी हुआ था। इस मौके पर मशहूर सिंगर अल्ताफ राजा ने अपने गानों से पार्टी में जान डाल दी। उनके सुपरहिट ट्रैक पर सभी कंटेस्टेंट्स ने जमकर डांस किया और खूब मस्ती की।

इस हफ्ते नहीं हुआ कोई एविक्शन

-इस वीकेंड के वार में किसी भी कंटेस्टेंट को घर से बाहर नहीं किया गया, लेकिन सलमान खान ने सभी घरवालों को उनके बर्ताव और गेम स्ट्रेटेजी को लेकर सख्त हिदायत दी।

-'बिग बॉस 19' का ताजा एपिसोड एक बार फिर विवादों और एंटरटेनमेंट से भरपूर रहने वाला है। एक तरफ मालती चाहर और तान्या मित्तल के बीच गर्मागर्म बहस की झलक देखने को मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर दिवाली पार्टी का मजेदार माहौल भी घर को रौनक से भर देगा।

हरित दिवाली अभियान के साथ, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र, मिशन लाइफ के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छ, शुभ और हरित दिवाली के लिए प्रेरित कर रहा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समर्थित डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के कार्यक्रम केंद्र - संसाधन भागीदार (पीसी-आरपी) ने स्वच्छ, शुभ और हरित दिवाली को बढ़ावा देकर 'मिशन लाइफ' के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

केंद्र ने अपने प्रमुख अभियान, 'परिवर्तन की सांस - स्वच्छ हवा, नीला आकाश' की सफलता के आधार पर, जिसने 25 जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से दिल्ली में 2,00,000 से अधिक नागरिकों को शामिल किया तथा सांस्कृतिक समारोहों में पर्यावरणीय मूल्यों को एकीकृत करने के अपने प्रयासों को जारी रखा है।

इस दिवाली, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-ईआईएसीपी (पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम) ने रोहिणी में एक आकर्षक 'ब्रीदेबल आर्ट' का उद्घाटन किया, जो स्वच्छ हवा और प्रदूषण मुक्त भविष्य के लिए समुदाय-नेतृत्व वाली कार्रवाई का प्रतीक है।

मिशन लाइफ के मूल सिद्धांतों के अनुरूप, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ईआईएसीपी ने नागरिकों से दिवाली के दौरान पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने का आग्रह किया। इनमें शामिल हैं:

प्लास्टिक की सजावट को बायोडिग्रेडेबल या दोबारा इस्तेमाल करने वाली सामग्री से बदलना,

चावल के आटे, फूलों की पंखुड़ियों और हल्दी जैसी प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके रंगोली बनाना,

ऊर्जा बचाने के लिए एलईडी लाइट, सौर लालटेन या पारंपरिक दीये का चयन करना,

कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के

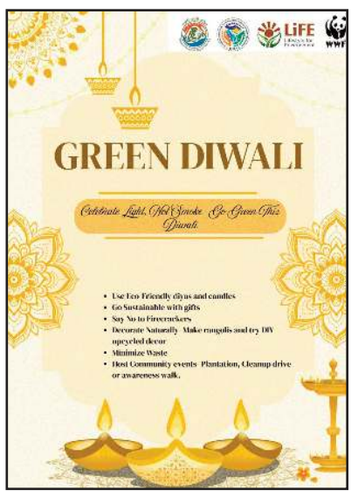

लिए स्थानीय स्तर पर निर्मित उपहारों और उत्पादों का समर्थन करना,

एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना और त्यौहारों के दौरान अपशिष्ट को न्यूनतम करना।

अपने 'ग्रीन दिवाली' अभियान के माध्यम से, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-ईआईएसीपी का उद्देश्य साझा पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। अपने मन से निर्णय लेकर, लोग उत्सव की भावना को बनाए रखते हुए, पर्यावरण और जन स्वास्थ्य, दोनों की रक्षा में योगदान दे सकते हैं।

यह पहल वैश्विक जलवायु लक्ष्यों, विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्य 12 (ज़िम्मेदार उपभोग और उत्पादन) और सतत विकास लक्ष्य 13 (जलवायु कार्रवाई) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी पुष्ट करती है। हहऋ एक्अउढ सभी नागरिकों को 'स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक-मुक्त दिवाली' का संकल्प लेने के लिए आमंत्रित करता है, एक ऐसा त्योहार जो न केवल हमारे घरों में, बल्कि पूरे ग्रह में रोशनी लाए।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच का टिकट मात्र 60 रुपये में, कब और कहां खेला जाएगा मुकाबला?

(जीएनएस)।

इंटरनेशनल क्रिकेट में इस समय लगभग हर टीम का सीजन चल रहा है। भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और आने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। दक्षिण अफ्रीकी टीम अगले महीने ही भारत दौरे पर आने वाली है।

टेस्ट सीरीज के अलावा इस दौरा पर सफेद गेंद सीरीज के मुकाबले भी खेले जाने हैं। इस बीच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच की टिकट महज 60 रुपये में मिलने की खबर सामने आ रही है। हैरान करने वाली खबर जरूर है लेकिन सच भी है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच में प्रतिदिन के हिसाब से 60 रुपये

न्यूनतम टिकट प्राइस रखा गया है। इतने कम दामों में मैच टिकट के बारे में किसी ने सोचा नहीं होगा। टिकटों की बिक्री शुरू कर दी गई है। दर्शकों के लिए सस्ते दामों में टिकट मिलना बड़ी खुशी की बात है।

मुकाबले का वन्यू कोलकाता का ईडन गार्डंस स्टेडियम है, वहां 14 नवंबर से मुकाबला शुरू होने वाला है। बंगाल क्रिकेट संघ का मानना है कि दर्शकों को टिकट महंगा नहीं लगे, इस वजह से 60 रुपये सबसे कम कीमत रखी गई है। पांच दिनों का टिकट 300 में लिया जा सकता है।

हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दिल्ली टेस्ट मैच में भी इतना सस्ता टिकट नहीं था। वहां न्यूनतम प्राइस 299 रुपये रखी गई थी। ऐसे में ईडन गार्डंस ने सबसे नीचे दाम रखकर फैन्स को मैच देखने का सपना पूरा करने का मौका दिया है। डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो एप्लीकेशन पर जाकर मुकाबले की टिकट खरीदी जा सकती है।

कोलकाता के दर्शक मैच देखने के लिए हमेशा रेडी रहते हैं, ऐसे में टिकट का प्राइस कम होने से स्टेडियम में अच्छी संख्या में क्राउड आने की संभावना जताई जा सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज के दौरान उतने ज्यादा दर्शक नहीं आए थे।

38 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू! कौन है पाकिस्तानी टीम का नया सरप्राइज पैकेज?

(जीएनएस)।

लाहौर में पहला टेस्ट मैच हारने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम आज अपना दूसरा टेस्ट मैच खेल रही है, पाकिस्तानी टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिला और एक उम्रदराज खिलाड़ी को शाहीन शाह अफरीदी ने टेस्ट कैप प्रदान की।

38 वर्ष व 299 दिन की उम्र में जब असिफ अफ़्रीदी को पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम में अवसर मिला, तो यह न सिर्फ उनके लिए, बल्कि पाकिस्तानी क्रिकेट इतिहास के लिए भी एक खास क्षण था। वह पाकिस्तान में सबसे ज्यादा उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले प्लेयर्स में शामिल हो गए।

वे पेशावर से हैं और लेफ्ट-आर्म स्पिनर हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 95 इनिंग्स में 198 विकेट निकालें, औसत 25.49 और इकॉनमी रेट 2.92 के करीब। हालांकि अंतरराष्ट्रीय

डेब्यू तक पहुँचने में समय लगा, लेकिन स्थिर प्रदर्शन ने उन्हें इस मौके तक पहुँचाया।

डेब्यू का अवसर और अहमियत

वे 38 वर्ष 299 दिन के थे जब उन्हें टेस्ट डेब्यू मिला-इस हिसाब से वे पाकिस्तान के तीसरे सबसे पुराने डेब्यू करने वाले टेस्ट क्रिकेटर हैं। यह चयन विशेष इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि पाकिस्तान ने घरेलू परिस्थियों में स्पिन को अहम भूमिका देने की रणनीति अपनाई थी, और अफ़्रीदी-सहित स्पिनर्स को मौका मिला।

किसने जीता मैच में टॉस

रावलपिंडी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान पाकिस्तानी टीम के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए अब स्थिति करो या मरो वाली है। ड्रॉ से भी बात नहीं बनने वाली है, सीरीज बराबरी पर खत्म करने के लिए इस मैच में जीत दर्ज करनी ही पड़ेगी।

पाकिस्तान की टीम में आज तीन स्पिनरों को मौका मिला है, इसका मतलब यही है कि पिच रैंक टर्नर है और दूसरे दिन के बाद ही स्पिनरों को इसमें खासी मदद मिलनी शुरू हो जाएगी। टॉस जीतकर का फायदा पाकिस्तान को होगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने रेलकर्मियों को दी दिवाली की शुभकामनाएं और यात्री सेवा में उनके योगदान को सराहा

(जीएनएस)।

दिवाली खुशियों का त्यौहार है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा रेगुलर ट्रेन के अलावा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिससे कि आप अपने परिवार के साथ घर जाकर दिवाली मना सके।हमारे स्टेशन मास्टर, टिकट चेकर,बुकिंग स्टाफ, ट्रैकमैन, लोको पायलट, ट्रेन मेनेजर, रेल¨ सुरक्षा बल के जवान, सफाई सेवक इत्यादि हर किसी का यह प्रयास है कि इस त्योहार के सीजन में आपकी यात्रा मंगलमय हो और आप अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी दिवाली एवं छठ मना सके।¨

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा आज वडोदरा स्टेशन पर ट्रैकमैन, सिग्नल मैन, सफाई सेवकों, रेल¨ सहायक इत्यादि को दिवाली के इस पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी गई और उन्हें मिठाई का वितरण भी किया गया।

श्री भडके ने रेल कर्मियों के इस फेस्टिवल सीजन में स्टेशन पर क्राउड मैनेजमेंट, साफ-सफाई जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रबंधन में उनके योगदान के लिए धन्यवाद भी किया।

खुफिया निदेशालय ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर "ऑपरेशन फायर ट्रेल" के तहत 4.82 करोड़ मूल्य के 46,640 तस्करी के पटाखे जब्त किए; एक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने "ऑपरेशन फायर ट्रेल" अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। डीआरआई ने भारत में चीनी मूल के पटाखों के अवैध आयात से जुड़े परिष्कृत तस्करी के प्रयास का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है।

इस अभियान के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने न्हावा शेवा बंदरगाह पर चीन से आए और आईसीडी अंकलेश्वर जाने वाले 40 फुट लंबे कंटेनर को पकड़ा, जिसमें "लेगिंग्स" होने का दावा किया गया था। विस्तृत जाँच में पता चला कि आगे की तरफ कपड़ों की ऊपरी परत के पीछे 46,640 पटाखे/विस्फोटक छिपाए गए थे। ₹4.82 करोड़ मूल्य की पूरी खेप जब्त कर ली गई।

बाद में की गई तलाशी में तस्करी गिरोह की कार्यप्रणाली उजागर करने वाले आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए और इसके पीछे एक प्रमुख व्यक्ति को गुजरात के वेरावल से गिरफ्तार किया गया।

विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के तहत पटाखों का आयात 'प्रतिबंधित' है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) दोनों से वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

ऐसे खतरनाक सामान का अवैध आयात सार्वजनिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, महत्वपूर्ण बंदरगाह अवसंरचना और व्यापक शिपिंग एवं लॉजिस्टिक्स श्रृंखला के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। डीआरआई ऐसे संगठित तस्करी नेटवर्क का पता लगाकर और उन्हें ध्वस्त करके, खतरनाक तस्करी से जनता की रक्षा करने और देश के व्यापार एवं सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता को बनाए रखने के अपने मिशन में दृढ़ है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड वॉर रूम में यात्री आवागमन की स्थिति की समीक्षा की

सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों के 24७7 समर्पित प्रयासों की सराहना की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं

भारतीय रेलवे ने 1 से 19 अक्टूबर के बीच विशेष ट्रेनों के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक यात्रियों की यात्रा सुनिश्चित की; रेलवे ने त्यौहारी सीजन में सुविधा के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं के साथ भीड़ प्रबंधन को प्रभावी रूप से सुव्यवस्थित किया, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके

भारतीय रेलवे ने त्योहारी सीजन में बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने के लिए 1 से 19 अक्टूबर के बीच 3,960 विशेष ट्रेनों का सफल संचालन किया; दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं भीड़ प्रबंधन हेतु 8,051 अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया गया

उत्तरी रेलवे (1,919), मध्य रेलवे (1,998) और पश्चिमी रेलवे (1,501) विशेष ट्रेनों की सर्वाधिक संख्या के संचालन के साथ पूरे देश में इस उत्सव रेल यातायात प्रबंधन में अग्रणी रहे

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेलवे बोर्ड के वॉर रूम का दौरा कर त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की आवाजाही की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चौबीसों घंटे समर्पित भाव से कार्य कर रहे कर्मचारियों की प्रशंसा की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भारतीय रेलवे (आईआर) ने चालू त्यौहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए व्यापक और सुव्यवस्थित प्रबंध किए हैं। भारतीय रेल ने दिवाली पूजा और छठ पर्व के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 12,011 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में चलाई गई 7,724 ट्रेनों की तुलना में एक उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

भारतीय रेलवे द्वारा त्यौहारों के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित व आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया जा रहा है। नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त, बढ़ी हुई यात्रा मांग को पूरा करने हेतु भारतीय रेल ने 1 से 19 अक्टूबर, 2025 के बीच 3,960 विशेष ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिससे देशभर में यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकी है।

भारतीय रेलवे की दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्री यातायात में अपेक्षित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में लगभग 8,000 अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की योजना है, ताकि यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

ये विशेष रेलगाड़ियां भारतीय रेलवे के सभी जोनों में संचालित की जा रही हैं, जिनमें उत्तर रेलवे (1,919 ट्रेनें), मध्य रेलवे (1,998 ट्रेनें) और पश्चिमी रेलवे (1,501 ट्रेनें) सबसे अधिक संख्या के साथ अग्रणी हैं। इसके अलावा, पूर्व मध्य रेलवे (1,217 ट्रेनें) और उत्तर पश्चिम रेलवे (1,217 ट्रेनें) सहित अन्य जोनों ने भी क्षेत्रीय यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त सेवाएं शुरू की हैं। कुल 12,011 विशेष रेलगाड़ियों का जोनवार विवरण निम्नानुसार है:

जोन रेलगाड़ियां सीआर 1998- ईसीओआर- 367- ईसीआर- 1217- ईआर- 310- केआर- 3- एनसीआर- 438- एनईआर- 442- एनएफआर- 427- एनआर- 1919- एनडब्ल्यूआर- 1217- एससीआर- 973- एसईसीआर- 106- एसईआर- 140- एसआर- 527- एसडब्ल्यूआर- 325- डब्ल्यूसीआर- 101- डब्ल्यूआर- 1501- कुल योग 12011

2025 में सभी त्यौहार विशेष अधिसूचित ट्रेनों की सूची:

पहली अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 के बीच, इन विशेष सेवाओं के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को रेल सेवा की सुविधा प्रदान की जा चुकी है। यात्रियों को सुरक्षित व आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए स्टेशनों पर समर्पित होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं, साथ ही भीड़ प्रबंधन को प्रभावी रूप से सुव्यवस्थित किया गया है।

नई दिल्ली क्षेत्र के अंतर्गत नई दिल्ली, दिल्ली, आनंद विहार, हजरत निजामुद्दीन और शकूरबस्ती स्टेशन से 16 से 19 अक्टूबर, 2025 के दौरान कुल 15.17 लाख यात्रियों ने सफर किया। यह पिछले वर्ष इसी अवधि में 13.66 लाख यात्रियों की तुलना में 1.51 लाख यात्रियों की वृद्धि को दर्शाता है।

इसके पहले, केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली तथा आनंद विहार रेलवे स्टेशनों का दौरा किया और यात्रियों से बातचीत कर भारतीय रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। यात्रियों की सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं में होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं, ट्रेनों के समय का स्पष्ट प्रदर्शन और अन्य जरूरी सुविधाएं शामिल हैं।

भारतीय रेलवे त्योहारों के दौरान सभी यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कुशल संचालन और प्रत्येक यात्री के लिए सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे समर्पित रहते हुए अथक प्रयास कर रहे हैं।

कंडीडेट्स लिस्ट: आरजेडी ने जारी की उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट, कितनी सीटों पर लड़ रही तेजस्वी की पार्टी?

(जीएनएस)।, बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन की आखिरी तारीख (सोमवार) पर, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने आखिरकार अपने 143 उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी कर दी है। नामांकन का समय खत्म होने से कुछ ही घंटे पहले यह घोषणा, महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मची लंबी खींचतान और आखिरी मिनट की बेचैनी को दर्शाती है।, सीटों पर सहमति न बन पाने के कारण, फ्खऊ और कांग्रेस के बीच कम से कम 12 सीटों पर अब एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार मैदान में हैं। कहलगांव और सुल्तानगंज जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर भी गठबंधन के दलों के बीच सीधी टक्कर है, जो महागठबंधन की एकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है और चुनावी समीकरणों को जटिल बना रही है।, क्रम संख्या विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र संख्या प्रत्याशियों का नाम, 1 राघोपुर 128 तेजस्वी प्रसाद यादव, 2 बिहारीगंज , 71 रेनु कुशवाहा, 3 बैसी , 57 अब्दुस सुब्हान, 4 बोचहां 91 अमर पासवान, 5 वारसलीगंज 239 अनीता देवी महतो, 6 तरैया 116 शैलेन्द्र प्रताप सिंह, 7 महिषी 77 गौतम कृष्ण इज्ह, 8 झाझा 242 जय प्रकाश यादव, 9 अलीनगर 81 विनोद मिश्रा, 10 अस्तावन 171 रवि रंजन कुमार, 11 मटिहानी 144 बोगो सिंह, 12 दरभंगा ग्रामीण 82 ललित यादव, 13 कुरहानी 93 बाबुलु कुशवाहा, 14 केवटी 86 डॉ. फराज फातमी, 15 गायघाट 88 निरंजन यादव, 16 सिमरी बख्तियारपुर 76 युसुफ सल्लाउद्दीन, 17 हसनपुर 140 माला पुष्पम, 18 मधेपुरा 73 प्रो. चंद्रशेखर, 19 मधुबन 18 संध्या रानी कुशवाहा, 20 इमामगंज 227 ऋतु प्रिया चौधरी, 21 बराचट्टी 228 तनुश्री मांझी, 22 कांटी 95 इजराइल मंसूरी, 23 हथुआ 104 राजेश कुशवाहा, 24 सहेबगंज 98 पृथ्वी राय, 25 सिंहेश्वर 72 चंद्रहास चौपाल, 26 बैकुंठपुर 99 प्रेम शंकर यादव, 27 बरौली 100 दिलीप सिंह, 28 हाजीपुर 123 देव कुमार चौधरी, 29 बहादुरपुर 85 भोला यादव, 30 सिवान 105 अवध बिहारी चौधरी, 31 बड़हरिया 110

अरुण गुप्ता, 32 मीनापुर 90 मुन्ना यादव, 33 रघुनाथपुर 108 ओसामा शहाब, 34 छपरा 118 शत्रुघ्न कुमार उर्फ खेसारी लाल, 35 गरखा 119 सुरेंद्र राम, 36 महाराजगंज 112 विशाल जायसवाल, 37 एकमा 113 श्रीकांत यादव, 38 बनियापुर 115 चांदनी देवी सिंह, 39 अत्री 233 वजयंती देवी, 40 राजौली 235 पिंकी चौधरी, 41 पारू 97 शंकर यादव, 42 मरहौरा 117 जितेंद्र राय, 43 गोरीकोठी 111 अनावरूल हक अंसारी, 44 लालगंज 124 शिवानी शुक्ला, 45 परसा 121 डॉ करिश्मा राय, 46 सोनपुर 122 डॉ रमणुज प्रसाद, 47 सरायरंजन 136 अरविंद सहनी, 48 मोरवा 135 रणविजय साहू, 49 चेरिया-बरियारपुर 141 सुशील सिंह कुशवाहा, 50 उजियारपुर 134 आलोक मेहता, 51 महुआ 126 डॉ मुकेश रौशन, 52 अलौली 148 रामवृक्ष सदा, 53 महनार 129 रविंद्र सिंह, 54 पातेपुर 130 प्रेमा चौधरी, 55 समस्तीपुर 133 अख्तरुल इस्लाम शहीन, 56 तारापुर 164 अरुण शाह, 57 अमनौर 120 सुनील राय, 58 मोकामा 178 वीणा देवी, 59 मोहिउद्दीननगर 137 डॉ ईजा यादव, 60 वैशाली 125 अजय कुशवाहा, 61 सहेबपुर कमाल 145 सतानंद संभुद्ध, 62 बाढ़ 179 कर्मवीर सिंह, 63 मुंगेर 165 अविनाश विद्यार्थी, 64 परबत्ता 151 डॉ संजीव सिंह, 65 सूर्यगढ़ा 167 प्रेम सागर चौधरी, 66 मनेर 187 भाई वीरेन्द्र, 67 इसलामपुर 174 राकेश रौशन, 68 शेखपुरा 169 विजय सम्राट, 69 मसौढ़ी 189 रेखा पासवान, 70 नरकटिया 12 डॉ शमीम अहमद, 71 हिलसा 175 शक्ति सिंह, 72 हरसिद्धि 13 राजेंद्र राम, 73 दानापुर 186 ऋत्तल राय, 74 बख्तियारपुर 180 अनिरुद्ध यादव, 75 बांकीपुर 182 रेखा गुप्ता, 76 गोबिंदपुर 238 पुर्निमा देवी, 77 फतुहा 185 डॉ. रमानान्द यादव, 78 रामनगर 2 सुभोध पासवान, 79 कल्याणपुर 16 मनोज यादव, 80 मोतीहारी 19 देवा गुप्ता, 81 सन्देश 192 डिपु राणा, 82 नरकटियागंज 3 दीपक यादव, 83 बड़हरा 193 रामबाबू पासवान, 84 आसिफ अहमद, 99 मधुबनी 36 समीर महसेठ, 100 राजनगर 37 प्रो. विष्णु राम, 101 लौकाहा 40 भारत भूषण मंडल, 102 त्रिवेणीगंज 44 संतोष सरदार, 103 छातापुर 45 डॉ विपिन कुमार नोनिया, 104 नरमली 41 बैजनाथ मेहता (सेवानिवृत्त क्मर), 105 नरपतगंज 46 मनीष यादव, 106 रानीगंज 47 अविनाश पंगलम, 107 जोकीहाट 50 शाहनवाज आलम, 108 ठाकुरगंज 53 सउद आलम, 109 कोचाधामन 55 मुजाहिद आलम, 110 रुपौली 60 बीमा भारती, 111 धमदाहा 61 संतोष कुशवाहा, 112 प्राणपुर 66 इशरत परवीन, 113 पिरपैंती 154 राम विलास पासवान, 114 कहलगांव 155 रजनीश भारती, 115 सुल्तानगंज 157 चंदन सिन्हा, 116 नाथनगर 158 शेख जेयाउल हसन, 117 ढोरैया 160 त्रिभुवन दास, 118 कटोरिया 162 स्वीटी सीमा हेम्ब्रम, 119 बेलहर 163 चनक्या प्रकाश रंजन, 120 रामगढ़ 203 अजीत सिंह, 121 मोहनिया 204 श्वेता सुमन, 122 भभुआ 205 बीरेन्द्र कुशवाहा, 123 चैनपुर 206 बृज किशोर बिंद, 124 सासाराम 208 सतेन्द्र साह, 125 दिनारा 210 राजेश जगदीशपुर 197 कुनाल किशोर, 85 शाहपुर 198 राहुल तिवारी, 86 ब्रह्मपुर 199 शंभु नाथ, 87 चिरैया 20 लक्ष्मी नारायण प्रसाद, 88 धाका 21 फैसल रहमान, 89 श्योहर 22 नवनीत झा, 90 परिहार 25 स्मिता पुरवे गुप्ता, 91 सुरसंड 26 सैयद अबू जोन, 92 बाजपट्टी 27 मुकेश यादव, 93 सीतामढ़ी 28 सुनील कुशवाहा, 94 रुनीसैदपुर 29 चंदन कुमार, 95 बेलसंड 30 संजय गुप्ता, 96 खजौली 33 बृज किशोर यादव, 97 बाबूबरही 34 अरुण कुशवाहा, 98 बिस्फी 35 यादव, 126 नोखा 211 अनीता देवी नोनिया, 127 चकाई 243 सावित्री देवी, 128 डेहरी 212 गुड्डू चंद्रवंशी, 129 कुरथा 215 सुदय यादव, 130 जहानाबाद 216 राहुल शर्मा, 131 मखदुमपुर 218 सुबेदार दास, 132 गोह 219 अमरेन्द्र कुशवाहा, 133 ओबरा 220 ऋषि कुमार, 134 नबीनगर 221 आमोद चंद्रवंशी, 135 रफीगंज 224 डॉ गुलाम शाहिद, 136 गुरु 225 विनय कुमार, 137 शेरघाटी 226 प्रमोद वर्मा, 138 बोध गया 229 कुमार सर्वजीत पासवान, 139 टिकारी 231 अजय डांगी, 140 बेलगंज 232 विश्वनाथ कुमार सिंह, 141 नवादा 237 कौशल यादव, 142 जमुई 241 शमशाद आलम, 143 सिकंदरा 240 उदय नारायण चौधरी, 12 सीटों पर एक दूसरे के खिलाफ कैंडिडेट, महागठबंधन की अंतिम सूची जारी होते ही यह स्पष्ट हो गया है कि RJD और कांग्रेस के बीच कम से कम 12 सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' होगी, यानी दोनों दलों के प्रत्याशी आमने-सामने होंगे।

महिलाओं के खाते में लड़की बहिन योजना की कब आएगी अगली किस्त?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र सरकार की लोकप्रिय 'माझी लड़की बहिन योजना' के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। सितंबर महीने की किस्त दिवाली से पहले लाभार्थियों के खातों में जमा कर दी गई थी और अक्टूबर महीने की किस्त कब मिलेगी, इस पर लाभार्थियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

अक्टूबर की किस्त को लेकर नई जानकारी सामने आई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की महत्वाकांक्षी 'लाडली बहना' योजना के लिए ₹410 करोड़ की निधि स्वीकृत की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिति तटकरे ने यह जानकारी दी कि सितंबर महीने की किश्त जारी कर दी गई है।

कब खाते में आएगी अटूबर महीने की किश्त?

ताजा अपडेट के अनुसार, अक्टूबर महीने की किस्त भाऊबीज के उपहार के तौर पर दी जा सकती है या फिर अक्टूबर के आखिरी सप्ताह

तक खातों में जमा होने की संभावना है। हालांकि, सरकार ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

क्या KYC अपडेट नहीं किया तो खाते में नहीं आएगी किश्त?

बता दें मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना का लाभ उठाने वाली सभी महिलाओं के लिए अब ई-केवाईसी (e-KYC) अनिवार्य कर दिया गया है। कई महिलाओं के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या ई-केवाईसी न करने पर दिवाली के महीने में किस्त नहीं मिलेगी।

तो बता दें सरकार ने ई-केवाईसी के लिए दो महीने का समय दिया है, इसलिए यह दावा गलत है कि ई-केवाईसी न होने पर अक्टूबर की किस्त रुक जाएगी। सरकार ने भी ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है कि ई-केवाईसी न होने पर अक्टूबर की किस्त रोकी जाएगी।

इसका मतलब है कि दो महीने की अवधि तक लाभार्थियों की किस्त नहीं रोकी जाएगी। हालांकि, यदि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी ई-केवाईसी नहीं किया जाता है, तो ऐसी स्थिति में योजना का लाभ रोका जा सकता है।

कहां अपडेट करें ड उ?

महिला एवं बाल विकास विभाग आधार प्रमाणीकरण के लिए ई-केवाईसी का उपयोग करेगा, ताकि योजना में पारदर्शिता बनी रहे और लाभार्थियों को नियमित रूप से वित्तीय लाभ मिल सके। ई-केवाईसी की सुविधा वेबसाइट https://ladakibahin.maharashtra.gov.in/ पर उपलब्ध है।

कौन हैं तेजस्वी के सहयोगी आई.पी. गुप्ता? यादवों को दी गाली, कहा- 'लाठी मारे तो दांत काट लो'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी आई.पी. गुप्ता (इंडियन इंक्लूसिव पार्टी) ने एक बेहद विवादित बयान देकर सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। सहरसा सीट से आरजेडी के कोटे पर चुनाव लड़ रहे गुप्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा कि अगर यादव समुदाय का कोई व्यक्ति लाठी मारे, तो उसके गले में दांत फंसाकर गला काट लो।

उन्होंने इस भड़काऊ टिप्पणी में राजपूत, भूमिहार, कुर्मी और कोईरी समुदायों को भी शामिल किया। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले गठबंधन के एक उम्मीदवार द्वारा दिया गया यह बयान, सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, न केवल कानूनी और राजनीतिक विवाद खड़ा कर रहा है, बल्कि चुनाव से पहले ही महागठबंधन की एकता और सामाजिक समीकरणों पर भी गंभीर सवाल उठा रहा है।

आई.पी. गुप्ता ने क्या कहा?

IP Gupta ने लोगों को संबोधित

करते हुए कहा कि, 'अगर यादव एक लाठी मारे, राजपूत, भूमिहार, कुर्मी, कोईरी जो भी जात तुमको मारता है, क्योंकि तुम मार खाते हो। जब तक मार खाते हो, तब तक मार खाते रहोगे। तब तक तुमको सभी दबंग जाति मारता रहेगा। अगर एक लाठी मारे, अगर लाठी नहीं है, लाठी नहीं मार सकते हो तो तुम उसके गर्दन में अपना दांत फंसा दो।'

कौन हैं आई.पी. गुप्ता?

आई.पी. गुप्ता बिहार की राजनीति में एक उभरता हुआ चेहरा हैं, जो मुख्य रूप से तांती, ततवा, पान और चौपाल जैसे जाति समूहों के बीच अपना प्रभाव रखते हैं। वह इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (IIP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और साथ ही अखिल भारतीय पान महासंघ नामक अपने जाति आधारित संगठन का नेतृत्व करते हैं। गुप्ता ने हाल ही में अपने समाज के लिए आरक्षण और पहचान की लड़ाई को केंद्र में रखकर, बिहार की राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाई है। हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में, उनकी पार्टी महागठबंधन (RJD के नेतृत्व वाला) का हिस्सा बनी है और वह स्वयं सहरसा सीट से गठबंधन के प्रत्याशी हैं।

सौ से अधिक सीटों पर है प्रभाव

राजनीतिक गलियारों में यह माना जाता है कि आई.पी. गुप्ता का प्रभाव केवल सहरसा तक सीमित नहीं है। उनका अखिल भारतीय पान महासंघ कोसी और मिथिलांचल के सौ से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखता है। हालाँकि तांती-ततवा समुदाय की आबादी राज्य में करीब दो फीसदी ही है, लेकिन चुनावी विश्लेषकों का स्पष्ट मत है कि सीटों के सीमान्त अंतर वाले इस चुनाव में यह छोटा, किंतु संगठित वोटबैंक कई सीटों पर हार-जीत में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि महागठबंधन ने इस महत्वपूर्ण जातीय आधार को साधने के लिए गुप्ता पर दांव लगाया है।

21 और 22 अक्टूबर को कुछ पैसेंजर ट्रेनें निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे द्वारा परिचालनिक कारणों से अहमदाबाद मंडल पर चलने वाली कुछ पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

21 और 22 अक्टूबर 2025 को निरस्त ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 69185/69186 अहमदाबाद-विरमगाम-अहमदाबाद मेमू
2. ट्रेन संख्या 59481/59482 महेसाणा-भीलड़ी-महेसाणा पैसेंजर
3. ट्रेन संख्या 59509/59510 महे साणा-विर मगाम-महे साणा पैसेंजर
4. ट्रेन संख्या 59511/59512 महे साणा-विर मगाम-महे साणा पैसेंजर
5. ट्रेन संख्या 59475/59476 महेसाणा-पाटन-महेसाणा पैसेंजर
6. ट्रेन संख्या 59483/59484 महेसाणा-पाटन-महेसाणा पैसेंजर

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in का अवलोकन कर सकते है।

'जो पति की नहीं वो किसी की नहीं', पवन सिंह की बीवी ज्योति ने काराकाट से भरा नामांकन, भड़के फैंस

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सियासी गर्माहट के बीच भोजपुरी पॉवर स्टार पवन सिंह की पर्सनल लाइफ लगातार लोगों के बीच में सुर्खियां बनी हुई हैं, उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए उनसे पत्नी का सम्मान मांगा है, इस विवाद के बाद पवन सिंह को काफी ट्रोल किया जा रहा है और वो विरोधियों के भी निशाने पर हैं।

हालांकि पवन सिंह ने पिछले हफ्ते प्रेसवार्ता करके खुलकर अपनी बात रखी थी और कहा था कि 'ज्योति सिंह चुनाव लड़ना चाहती हैं और इसी वजह से वो नाटक कर रही हैं, हालांकि हमारे रिश्ते काफी पहले से सही नहीं चल रहे और हमारा तलाक का केस चल रहा है।'

लेकिन उस वक्त तो ज्योति सिंह ने पवन सिंह की इस बात को गलत ठहराया था लेकिन आज पवन सिंह की बात सही हो गई क्योंकि ज्योति सिंह ने सोमवार को काराकाट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। नामांकन भरने से पहले ज्योति सिंह ने फेसबुक पर इसकी जानकारी दी थी।

काराकाट से भरा नामांकन

उन्होंने लिखा था कि 'नमस्ते कराकाट की देवतुल्य जनता,आप सभी के अपार प्यार और समर्थन से मैं आज कराकाट 213 से अपना नामांकन दाखिल करने जा रही हूं। यह कदम जनता की उम्मीदों और विश्वास की आवाज है। आपका सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।आइए, मिलकर एक नया परिवर्तन लाएं- आपकी अपनी ज्योति सिंह। स्थान तेंदुनी चौक डुमरांव रोड काली मंदिर पाससमय 10 बजे।'

'जो पति की नहीं हुई वो भला जनता की क्या होगी?'

हालांकि पवन सिंह के फैंस और समर्थकों को ये बात रास नहीं आई और उन्होंने ज्योति सिंह को इस बात के लिए ट्रोल करना शुरू कर दिया है। फैंस ने कहा कि 'ये सारा नाटक केवल चुनाव लड़ने के लिए ही था, जो अपने पति की नहीं हुई वो भला जनता की क्या होगी, वो किसी की नहीं है।'

'काराकाट की जनता अपनी इस बेटी के लिए लड़ेगी'

तो वहीं ज्योति सिंह के समर्थकों ने पवन सिंह के फैंस की क्लास लगाई और कहा कि 'काराकाट की जनता अपनी इस बेटी के लिए लड़ेगी।' मालूम हो कि ये वो क्षेत्र है, जहां से पवन सिंह लोकसभा 2024 का चुनाव लड़े थे लेकिन उन्हें जीत नहीं मिली थी, यहां पर क्षत्रियों की भरमार है।

काराकाट सीट की जंग रोचक, कौन जीतेगा बाजी?

उस वक्त पवन सिंह के लिए ज्योति सिंह ने भी चुनाव प्रचार किया था और उनके हारने के बाद भी वो यहां के लोगों के संपर्क में रही हैं और लोगों से जुड़ी हुई हैं, अब ये जुड़ाव वोट में बदलेगा या नहीं ये तो चुनावी परिणाम बताएंगे लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि ज्योति सिंह के चुनावी अखाड़े में उतरने से काराकाट सीट की जंग रोचक हो गई है।

पवन सिंह की दूसरी पत्नी हैं

मालूम हो कि पवन सिंह और ज्योति सिंह ने 2018 में शादी की थी, ये उनकी दूसरी बीवी हैं। इससे पहले साल 2014 में उनकी शादी नीलम सिंह से हुई थी लेकिन 8 मार्च 2015 को नीलम की पंखे से लटकती हुई लाश पवन सिंह के फ्लैट से मिली थी। आज तक नीलम के आत्महत्या का कारण किसी को पता नहीं। इसके बाद पवन सिंह का अफेयर अक्षरा सिंह से रहा, दोनों लिवइन में भी थे लेकिन पवन ने उन्हें छोड़कर ज्योति सिंह से शादी की थी।

खेसारी लाल यादव के चुनाव लड़ने पर मनोज तिवारी ने दी नसीहत

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार सिनेमा और सियासत का दिलचस्प संगम देखने को मिल रहा है। भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अब पर्दे से निकलकर राजनीति के मैदान में उतर चुके हैं। आरजेडी ने उन्हें छपरा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। पहले यह सीट उनकी पत्नी चंदा देवी को दी गई थी, लेकिन नामांकन जांच में उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं मिलने पर पार्टी ने सीधे खेसारी को टिकट थमा दिया। 16 अक्टूबर की शाम तेजस्वी यादव ने खेसारी लाल यादव पार्टी की सदस्यता दिलाई और कुछ ही देर में लालू प्रसाद यादव ने सिंबल भी सौंप दिया।

राजनीति कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी है: खेसारी का भावनात्मक पोस्ट

टिकट मिलने के बाद खेसारी लाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा, "मैं आप सभी का बेटा और भाई हूं। राजनीति मेरे लिए कोई कुर्सी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है, हर घर तक विकास पहुंचाने की, हर दिल की आवाज बनने की।" उन्होंने खुद को जनता जनार्दन का सिपाही बताते हुए कहा कि वे खेत-खलिहान के बेटे हैं और आम लोगों की उम्मीदों को मंच देंगे।

मनोज तिवारी ने दी सलाह, "राजनीति में आना आसान, सेवा करना मुश्किल"

भोजपुरी फिल्म जगत के एक और बड़े नाम और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने खेसारी लाल यादव को राजनीति में आने पर शुभकामनाएं दीं, लेकिन साथ ही एक गहरी नसीहत भी दी। उन्होंने कहा, "युवा और कलाकारों का राजनीति में आना अच्छा है, लेकिन यहां असली चुनौती सेवा करने की होती है। उम्मीद है खेसारी इस जिम्मेदारी को निभा पाएंगे।"

महागठबंधन पर तंज , "दिल नहीं मिले, बस सत्ता की भूख है"

इसी बीच मनोज तिवारी ने महागठबंधन पर भी तीखा वार किया। उन्होंने कहा कि "जहां दिलों में मेल नहीं, वहां बस सत्ता में बने रहने की चाहत है। ठऊ्अ ने तो सीट शेयरिंग बहुत पहले ही फाइनल कर ली थी, आज हमारे सभी उम्मीदवार नामांकन कर रहे हैं। जो बड़े-बड़े दावे करते थे, वे मैदान छोड़ चुके हैं। जनता का मन ठऊ्अ के साथ है।"

चुनाव में नया रंग भरेंगे 'खेसारी' या जनता लेगी परीक्षा?

अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पर्दे के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव क्या सियासत के इस नए मंच पर भी चमक बिखेर पाएंगे या यह चुनाव उनके लिए एक परीक्षा बनकर रह जाएगा। बिहार की जनता जल्द ही इसका फैसला करेगी।

चुनाव से पहले मुश्किल में फंसे तेज प्रताप यादव, आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले पूरे प्रदेश का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। टिकटों के बंटवारे और नामांकन में जमकर हाई वॉल्टेज ड्रामा चल रहा है। इस बीच आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव भी सुर्खियों में हैं। उन पर वैशाली जिले की महुआ विधानसभा सीट से नामांकन के दौरान आदर्श आचार संहिता (MCC) के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई हुई है।

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में तेज प्रताप यादव को 16 अक्टूबर को नामांकन जुलूस में नियमों के उल्लंघन का केस दर्ज किया है। नामांकन कराने के लिए वह नीली-लाल बत्ती और पुलिस लोगो लगी एक निजी एसयूवी में जाते हुए नजर आए थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद महुआ के क्षेत्र अधिकारी ने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

दर्ज की गई एफआईआर

• जांच के बाद पुलिस ने पुष्टि की है कि जिस वाहन पर पुलिस का लोगो और बत्ती लगी थी, वह सरकारी नहीं बल्कि निजी गाड़ी थी। इस आधार पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

• नियम के मुताबिक, चुनाव प्रचार या नामांकन में किसी भी उम्मीदवार को सरकारी वाहनों, सुविधाओं, लाल-नीली बत्ती वगैरह के इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होती है।

सियासी ड्रामा हाई

बता दें कि बिहार में अभी जोर-शोर से चुनाव प्रचार चल रहा है। राजनीतिक बयानबाजियों के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप और टिकटों को लेकर ड्रामेबाजी का माहौल दिख रहा है। बता दें कि 16 अक्टूबर को तेज प्रताप यादव अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने महुआ पहुंचे थे। उनके काफिले में एक एसयूवी शामिल थी। इस वाहन पर पुलिस का प्रतीक चिन्ह और नीली-लाल बत्ती लगी हुई थी। यह वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने इसे गंभीरता से लिया और जांच के आदेश दिए।

पुलिस ने गाड़ी मालिक पर दर्ज किया केस

डीएसपी-1 राज कुमार शाह ने बताया कि चुनाव रैली में इस्तेमाल की गई गाड़ी सिद्धनाथ सिंह के बेटे प्रमोद कुमार यादव के नाम पर पंजीकृत निजी वाहन है। निजी गाड़ी पर पुलिस लोगो और बत्ती लगाना संज्ञेय अपराध है। पुलिस ने गाड़ी मालिक और ड्राइवर के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया है।

अमेजन क्लाउड का सर्वर हुआ डाउन, प्राइम से एलेक्सा तक दुनियाभर में कई वेबसाइट्स प्रभावित

(जीएनएस)।

20 अक्टूबर को अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) में तकनीकी गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई लोकप्रिय वेबसाइट्स और ऐप्स प्रभावित हो गए। इस आउटेज के कारण AmazonPrime, Snapchat, Perplexity, Fortnite, Canva, Duolingo ÀfdWX°f IYBÊ सेवाओं में कनेक्टिविटी की समस्या आई।

अहर की सर्विस स्टेटस वेबसाइट ने "इंक्रीज्ड एरर रेट्स" (बढ़ी हुई त्रुटि दर) की जानकारी दी और बताया कि इंजीनियर समस्या को जल्द ठीक करने में लगे हुए हैं।

Downdetector की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में अहर के लिए 2,000 से ज्यादा आउटेज की घटनाएं दर्ज की गईं। उपयोगकताओं ने कई डिजिटल सेवाओं और ऐप्स तक पहुंचने में कठिनाई की शिकायत की। अमेजन की अपनी सेवाएं जैसे Amazon.com, Prime Video और Alexa भी प्रभावित रहीं।

प्रभावित प्रमुख ऐप्स और वेबसाइट्स

अहर आउटेज के दौरान निम्नलिखित प्लेटफॉर्म्स और ऐप्स प्रभावित हुए:

Amazon.com, प्राइम वीडियो, एलेक्सा, रॉबिनहुड, स्नैपचैट, पर्प्लेक्सिटी एआई, वेनमो

कैनवस बाय इंस्ट्रक्चर, क्रंचरोल, रोबॉक्स, व्हाटनॉट, रेनबो सिक्स सीज, कॉइनबेस, कैनवा, डुओलिंगो

गुड्रीड्स, रिंग, द न्यू यॉर्क टाइम्स, लाइफ360, फोर्टनाइट, ऐप्पल टीवी, वेरिजोन, चाइम

मैकडॉनल्ड्स ऐप, कॉलेजबोर्ड, वर्डले, ढवइ्ञ्ञ बैटलग्राउंड्स, ओपनएआई, वीमियो, ट्विच, शॉपिफाई

गूगल मैप्स, क्लाउड (एंथ्रोपिक), कर्सर, डायलपैड, माइक्रोसॉफ्ट एज्योर, रीकैप्चा

यूट्यूब, जीमेल, खान अकादमी, एनपीएम, ड्रैगन बॉल, एटीएंडटी, डोरडैश, स्पॉटिफाई

गूगल क्लाउड, डिस्कॉर्ड, गूगल, गूगल मीट, कैरेक्टर.एआई, रॉकेट लीग, क्लाउडफ्लेयर, गूगल नेस्ट

पोकेमॉन ट्रेडिंग कार्ड गेम, फूबोटीवी, हाईलेवल, बॉक्स, ईटीसी, गूगल ड्राइव, मेलचिम्प

ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म्स उङ्क्षुंरी और Robinhood ने बताया कि अहर आउटेज के कारण उनके वित्तीय लेन-देन प्रभावित हुए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी Perplexity ने भी कहा कि उनकी वेबसाइट की स्थिरता पर असर पड़ा। ब्रिटेन की फुटबॉल टीम Tottenham Hotspur ने अपने ई-टिकटिंग प्लेटफॉर्म पर समस्या आने की जानकारी दी, जबकि ब्रिटिश टैक्स अथॉरिटी ल्टफ्ळ ने भी साइट डाउन होने की सूचना दी।

अधिकांश तकनीकी गड़बड़ियां जल्दी ठीक कर दी जाती हैं, लेकिन interconnected तकनीकी सिस्टम्स के कारण एक कंपनी की समस्या से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। पिछले साल साइबर सुरक्षा कंपनी CrowdStrike में सॉफ़्टवेयर अपडेट की गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में सिस्टम ठप हो गए और अरबों डॉलर का नुकसान हुआ।

कुछ सेवाओं में धीरे-धीरे सुधार शुरू हो गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर यूजर्स ने अब भी कई ऐप्स और वेबसाइट्स की शिकायत की है। अमेजन ने अभी तक इस आउटेज के कारण या इसे ठीक करने का समय सार्वजनिक रूप से नहीं बताया।।

कौन हैं कामरान जिनका आरजेडी ने काटा टिकट, निर्दलीय भरा नामांकन, जनसैलाब ने उड़ाई तेजस्वी की नींद

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले ही चरण में गोविंदपुर (नवादा) से फ्खऊ के पूर्व विधायक मोहम्मद कामरान ने सियासत में हलचल मचा दी है। 2020 में फ्खऊ टिकट पर जीत हासिल करने वाले कामरान का टिकट इस बार पार्टी ने काट दिया और उनकी जगह पूर्णिमा यादव को उम्मीदवार बनाया।

इस फैसले ने पार्टी समर्थकों में असंतोष और नाराजगी पैदा कर दी। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर आरोप उठे कि पार्टी नेतृत्व ने कामरान के साथ न्याय नहीं किया और उन्हें धोखा दिया।

मोहम्मद कामरानः मजबूती और जनता का समर्थन

विधायक रहते हुए कामरान ने क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत की और विकास तथा संगठनात्मक सक्रियता के जरिए जनता में विश्वास पैदा किया। टिकट कटने के बावजूद उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया, और उनके समर्थकों ने खुलकर उनका समर्थन किया। जनसैलाब उमड़ने से यह स्पष्ट हो गया कि कामरान सिर्फ राजनीतिक नाम नहीं हैं, बल्कि गोविंदपुर के वोट बैंक में प्रभावशाली चेहरा हैं।

कामरान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से बताया गया था कि इस बार टिकट नहीं मिलेगा। इसके बाद उन्होंने जनता के सामने अपना फैसला रखा और निर्दलीय मैदान में उतरने का ऐलान किया। उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी ने उन्हें अन्य विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया, क्योंकि उनका पूरा अनुभव और जुड़ाव गोविंदपुर की जनता से है।

सीट का राजनीतिक समीकरण

गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम, यादव, पिछड़ा वर्ग और अन्य

जातीय समीकरण निर्णायक भूमिका निभाते हैं। कामरान का निर्दलीय उतरना फ्खऊ के लिए चुनौती बन सकता है क्योंकि इससे कोर वोट बैंक बंट सकता है और सीट पर तीन-कोणीय मुकाबला बन सकता है। इसके अलावा, NDA और तीसरे मोर्चे के उम्मीदवार इस स्थिति का लाभ उठा सकते हैं।

कामरान ने कहा, "मैंने 12 हजार से लेकर 80 हजार वोट तक जनता से प्राप्त किए हैं। उस जनता को छोड़कर किसी और क्षेत्र से चुनाव लड़ना मेरे लिए संभव नहीं था। मैं पूरी रणनीति और मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरूंगा और जनता से मेहनताना मांगूंगा।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोटा के आधार पर टिकट कटने का मुद्दा उनके लिए मायने नहीं रखता।

RJD के लिए चुनौती

पार्टी नेतृत्व पर दबाव है कि वे कामरान को मनाएँ या निर्दलीय दांव का सामना करें। यदि इस असंतोष को समय पर नहीं सुलझाया गया, तो न सिर्फ गोविंदपुर बल्कि अन्य सीटों पर भी फ्खऊ की स्थिति कमजोर पड़ सकती है। गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र अब बिहार चुनाव 2025 का सबसे गर्म सियासी रणभूमि बन चुका है।

गोविंदपुर बना चुनावी सेंटर

मोहम्मद कामरान की निर्दलीय उम्मीदवारी और उनके समर्थकों का उत्साह यह संकेत देता है कि यह सीट निर्णायक भूमिका निभा सकती है। चुनावी मैदान में कामरान ने अपने कदम से राजनीतिक भूचाल ला दिया है और गोविंदपुर की इस लड़ाई पर नजर हर राजनीतिक दल और जनता की टिकी हुई है। आने वाले दिनों में यह सीट बिहार चुनाव 2025 की सबसे चर्चित और रोमांचक सीटों में शामिल हो सकती है।

मोहम्मद कामरान ने टिकट कटने के बाद निर्दलीय पर्चा भरकर यह साबित कर दिया कि उनका प्रभाव और समर्थन केवल RJD तक सीमित नहीं है। गोविंदपुर अब चुनावी सियासत का हॉटस्पॉट बन चुका है और आने वाले परिणाम बिहार की राजनीतिक दिशा पर बड़ा असर डाल सकते हैं।

आरजेडी-कांग्रेस की जातीय रणनीति! कितने यादव, मुस्लिम और ब्राह्मण को मिला टिकट, पूरी लिस्ट

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का पहला चरण अब पूरी तरह नामांकन के बाद राजनीतिक समीकरणों की जमीन तैयार कर चुका है। महागठबंधन की दो प्रमुख पार्टियां राष्ट्रीय जनता दल (फ्खऊ) और कांग्रेस के पहले चरण के उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट सामने आ गई है।

जहां राजद ने 52 प्रत्याशियों के नाम तय किए हैं, वहीं कांग्रेस ने अब तक 54 उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया है। हालांकि फ्खऊ ने अभी तक कोई अधिकारिक लिस्ट जारी नहीं की है, ये 52 नाम वो हैं, जिन्होंने नामांकन किए हैं। हालांकि फ्खऊ ने अब तक 100 से ज्यादा को सिंबल बांटा है। अब पूरे बिहार में असली मुकाबला जातीय आधार पर बन रहा है-कौन कितना यादव, कितना ब्राह्मण, और कितना मुस्लिम वोट बैंक साधेगा? ऐसे में आइए समझते हैं कि महागठबंधन के दो बड़ी पार्टियों ने किस जाति वाले पर ज्यादा भरोसा दिखाया है।

आरजेडी ने फाइनल की पहली

लिस्ट, यादवों की हुई बाढ़

राजद की जो लिस्ट सामने आई है, उसमें तेजस्वी यादव खुद अपने पारंपरिक गढ़ राघोपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। लिस्ट का जातीय विश्लेषण साफ बताता है कि पार्टी ने इस बार भी यादव वोट बैंक पर सबसे बड़ा दांव खेला है। पहले फेज के 52 उम्मीदवारों में से 22 यादव उम्मीदवार हैं, जो लगभग 42 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। इसके अलावा 3 मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में हैं। भूमिहार और ब्राह्मण समाज से तीन नेताओं को टिकट दिया गया है। यानी फ्खऊ का जातीय बैलेंस स्पष्ट रूप से "MY" समीकरण पर ही आधारित है।

दिलचस्प बात यह है कि RJD ने इस बार कई नए चेहरों को मौका दिया है, लेकिन यादव बेल्ट वाली सीटों पर पुराने जातीय चेहरों को ही प्राथमिकता दी गई है। उदाहरण के तौर पर-दरभंगा ग्रामीण से ललित यादव, फतुहा से डॉ. रामानंद यादव, छपरा से खेसारी लाल यादव और राघोपुर से तेजस्वी यादव जैसे बड़े यादव उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं मुस्लिम समुदाय से ओसामा शाहाब (रघुनाथपुर), असरारुल इस्लाम शाही (समस्तीपुर) और इसरायल मंसूरी (कांटी) को टिकट मिला है।

कांग्रेस ने भी खोला जातीय पत्ता, सवर्णों पर बड़ा भरोसा

कांग्रेस ने इस बार जातीय समीकरण का संतुलन थोड़े अलग अंदाज में साधा है। पार्टी की घोषित 54 सीटों की लिस्ट में 19 सवर्ण उम्मीदवार हैं। इनमें 8 भूमिहार, 6 ब्राह्मण और 5 राजपूत शामिल हैं। इसके अलावा 10 पिछड़ा वर्ग (Oइउ) उम्मीदवारों को टिकट मिला है, जिनमें 4 यादव, 1 कुर्मी, 1 कुशवाहा, 1 गोस्वामी और 3 वैश्य समुदाय के हैं। 6 अति पिछड़े वर्ग (EBC), 9 दलित (SC), 1 जनजातीय (ST) और 5 मुस्लिम प्रत्याशी भी कांग्रेस के पैनल में हैं।

यानी कांग्रेस ने पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक को साधते हुए पिछड़ा वर्ग और दलित समुदाय को भी बराबर की हिस्सेदारी दी है। इससे साफ है कि पार्टी 'संतुलन' और 'विविधता' की रणनीति पर चल रही है।

लेफ्ट पार्टियों ने पिछड़ों पर लगाया दांव

महागठबंधन में शामिल वाम दलों-CPI(ML), CPI और CPM-ने अब तक 29 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। इनमें से 15 टिकट ओबीसी समुदाय को दिए गए हैं। 8 उम्मीदवार दलित, 2 मुस्लिम, 2 भूमिहार, 1 राजपूत और 1 अति पिछड़ा वर्ग से हैं। लेफ्ट दलों ने हमेशा की तरह सामाजिक न्याय और वर्गीय संतुलन की लाइन पर चलते हुए जातीय विविधता को बनाए रखने की कोशिश की है।

महागठबंधन में बढ़ी दरार, RJD और कांग्रेस आमने-सामने

पहले चरण के नामांकन के बाद यह साफ हो गया है कि महागठबंधन के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। RJD और कांग्रेस के बीच कम से कम 10 सीटों पर सीधी टक्कर बनने वाली है। दरअसल, RJD-लेफ्ट गठबंधन ने उन कई सीटों पर भी प्रत्याशी उतार दिए हैं, जो कांग्रेस के कोटे में मानी जा रही थीं। इससे कांग्रेस के भीतर नाराजगी बढ़ गई है।

जैसे कि-वैशाली सीट पर फ्खऊसे अजय कुशवाहा और कांग्रेस से ई. संजीव सिंह आमने-सामने हैं। इसी तरह बछवाड़ा, लालगंज, राजापाकर, बिहारशरीफ और रोसड़ा में भी दोनों दलों के प्रत्याशी भिड़ गए हैं।

चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद,19 कि.मी. पैदल चलकर अभिनेत्री सारा अली खान ने भी किए दर्शन

(जीएनएस)।

चमोली स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के बंद कर दिए गए हैं। आज सुबह ब्रह्म मुहूर्त के बाद विधि विधान के साथ कपाट बंद कर दिए गए हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। प्राप्त कपाट बंद होने से पहले अभिनेत्री सारा अली खान भी चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के दर्शन को पहुंची थी।

कपाट बंद होने के बाद भगवान रुद्रनाथ की उत्सव विग्रह डोली अपनी शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर, गोपेश्वर के लिए रवाना हुई। अब अगले छह महीनों तक,शीतकाल के दौरान, श्रद्धालु चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना गोपीनाथ मंदिर (गोपेश्वर) में कर सकेंगे।

रुद्रनाथ मंदिर पुरे उत्तर भारत में एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है जहां पर भगवान शिव के मुख दर्शन होते हैं,

यह मंदिर उत्तराखंड के पांच केदारों में से चतुर्थ केदार के रूप में प्रसिद्ध है।करीब 11,808 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर में पहुंचने के लिए कई बुग्याल पार कर 19 किलोमीटर की चढ़ाई करनी पड़ती है।

रुद्रनाथ के पुजारी सुनील तिवारी ने बताया सुबह चार बजे से भगवान रुद्रनाथ की पूजा शुरू हो गई थी। सभी पूजाएं संपन्न कराने के बाद सुबह छह बजे मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।। साढ़े सात बजे डोली ने रुद्रनाथ से प्रस्थान किया। पंच गंगा, पितृधार होते हुए पनार गुग्याल होते मोली बुग्याल पहुंचेगी।

मुख्य पुजारी सुनील तिवारी ने बताया कि पौराणिक परंपराओं के अनुसार शीतकाल के दौरान 6 माह के लिए भगवान रुद्रनाथ के कपाट आम श्रद्धा वालों के दर्शन आरती बंद कर दिए जाते हैं और उसके बाद भगवान की उत्सव डोली उनकी शीतकालीन गद्य स्थल गोपीनाथ मंदिर में विराजमान रहती है। 6 माह तक भगवान रुद्रनाथ की नित्य पूजा अर्चना है गोपीनाथ मंदिर में होती है जो श्रद्धालु रुद्रनाथ तक नहीं पहुंच पाते हैं वह भगवान रुद्र के दर्शन गोपीनाथ मंदिर में कर सकते हैं।